• कैसे रहे...

घर में सुख-शांति

घर का खुशनुमा माहौल बनाने के लिए वास्तु शास्त्र में लिखी गई कई चीजों को फॉलो किया जाता है। वास्तु शास्त्र में बताई गई चीजों से घर की सुख-शांति बढ़ती है। अगर घर में समस्याएं बढ़ रही हैं तो कुछ चीजों को बाहर निकाल देना चाहिए, क्योंकि इससे वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है।

- घर में जंग लगी हुई चीजों को रखने से वास्तु दोष होता है। अगर आपके घर में जंग लगी हुई चीजों को रखी गई तो उसे तुरंत हटा दें। अधिकतर लोगों के घरों में कबाड़ पड़े होते हैं, जिसमें कई यूजलेस चीजों को रखा जाता है। जंग लगा हुआ लोहा, दरवाजा, ताला, सिकड़ी और तवे के अलावा कोई भी जंग लगा हुआ लोहा हो तो उसे हटा दें, इससे घर में खुशहाली की कमी होगी और परिवार में कलह का माहौल रहेगा।
- घर में भूलकर भी खराब घड़ी को न रखें। खराब घड़ी नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकती है, जिससे घर के सदस्यों के बीच कलह भी होता है। खराब घड़ी घर के लिए अशुभ होती है और यह आर्थिक

परेशानियों को बढ़ावा देती है।
- इसके अलावा घर की छत पर कबाड़ों का ढेर नहीं होना चाहिए। ऐसा होने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। इससे घर में कंगाली बढ़ती है। घर के सदस्य बीमार रहते हैं। यहां तक कि आप कर्ज में भी डूब सकते हैं। घर में धूल और गंदगी का जमाव भी घर की खुशहाली को छीन सकता है। धूल और गंदगी के कारण घर का माहौल खराब हो सकता है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई में शीशा नहीं लगाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे निकलने वाली नकारात्मक ऊर्जा घर के सदस्यों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर देती है। शीशा हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। उत्तर दिशा को धन कुबेर की दिशा माना जाता है। शीशा इस तरह लगाना चाहिए कि देखने वाले का चेहरा पूर्व या उत्तर दिशा में रहे। वास्तु के अनुसार, घर में हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में दर्पण लगाना शुभ होता है। कहा जाता है कि उत्तर-पूर्व दिशा में लगा हुआ शीशा धन-दौलत को आकर्षित करता है। इसके अलावा उत्तर या पूर्व दिशा में धन लाभ के लिए दर्पण लगाना लाभकारी माना गया है। घर में अष्टभुजाकार शीशा लगाना शुभ माना जाता है।

• भगवान विष्णु...

गुरुवार को करें ये उपाय

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। साथ ही यह दिन देवगुरु बृहस्पति से भी संबंध रखता है। गुरुवार के दिन व्रत रखने और विधि-विधान से भगवान श्री हरि की पूजा करने वाले को सभी परेशानियों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिष में भी दिन दिन को लेकर कुछ खास उपाय बताए गए हैं। जिससे जीवन का बहुत से कष्टों से छुटकारा पाने के साथ अपार धन की प्राप्ति हो सकती है।

सुख-समृद्धि के लिए-जीवन में सुख-समृद्धि पाने के लिए गुरुवार के दिन सुबह स्नान कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें। इसके बाद पूजा में पके केले, चान दाल और गुड़ का भोग लगाएं। इसके बाद विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें. मान्यता है कि इस उपाय को करने से घर में सुख- समृद्धि का वास होता है।

कारोबार में सफलता के लिए-कारोबार में सफलता पाने के लिए गुरुवार के दिन सुबह स्नान कर पीले रंग के वस्त्र धारण करें। हल्दी का तिलक लगाएं. मान्यता है कि इन उपायों को करने से व्यक्ति को कारोबार में मुनाफा होने लगता है।

नौकरी में तरक्की के लिए-यदि आप नौकरी करते हैं और काफी समय से मेहनत करने के बाद भी प्रमोशन नहीं मिल रहा है तो, गुरुवार के दिन ज्यादा से ज्यादा पीले रंग का इस्तेमाल करें। इसके साथ भगवान श्री हरि की पीले रंग के फल और फूल चढ़ाकर पूजा करें। इसके बाद एक पीले रंग के कपड़े में नारियल, पीले फल, हल्दी और नमक रखकर बांध दें। इस पोटली को चुपचाप किसी मंदिर में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति को नौकरी में जल्द प्रमोशन मिल सकता है।

जल्दी विवाह के लिए-जल्दी शादी के लिए हर गुरुवार के दिन स्नान के बाद पीले रंग का वस्त्र धारण करें। उसके बाद घर में विधि-विधान से भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की पूजा करें। इसके बाद पास के किसी मंदिर में जाकर मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करें। अर्पित सिंदूर को ग्रीवा पर लगाएं। मान्यता है कि इस उपाय को करने से भी शीघ्र विवाह के योग बनते हैं।

गुरु दोष से मुक्ति-अगर कुंडली में गुरु ग्रह कमजोर है या गुरु दोष है तो इसके लिए गुरवार के दिन नहाने के पानी में चुटकीभर हल्दी मिला लें। उसके बाद ऊं नमो भगवते वासुदेवायज् मंत्र का जाप करते हुए स्नान करें।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शंकर का न आदि है और न अंत है। उनकी इच्छा के बिना इस पूरे ब्रह्मांड में एक पत्ता भी नहीं हिल सकता है। हमारे देश में भगवान भोले के 12 ज्योतिर्लिंगों के साथ ही कई प्रसिद्ध मंदिर भी हैं।

देवों के देव महादेव भगवान शिव कभी शांत तो कभी रौद्र रूप धारण करने के लिए भी विख्यात हैं शंकर भगवान। पूरे देश में इन्हें पूजने वालों की कोई कमी नहीं...

ये हैं विश्व प्रसिद्ध 9 शिव मंदिर, जहां शंकर की सबसे बड़ी मूर्ति स्थापित हैं

बाबा भोलेनाथ को सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले भगवान माना जाता है. अपने भक्तों को थोड़े कष्ट में ही देखकर शिव जी पसीज जाते हैं। कहते हैं कि सोमवार को अगर भगवान भोलनाथ की पूरे समर्पण से आराधना की जाती है तो वे अपने भक्तों के सारे कष्ट दूर कर देते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शंकर का न आदि है और न अंत है। उनकी इच्छा के बिना इस पूरे ब्रह्मांड में एक पत्ता भी नहीं हिल सकता है। हमारे देश में भगवान भोले के 12 ज्योतिर्लिंगों के साथ ही कई प्रसिद्ध मंदिर भी हैं। देवों के देव महादेव भगवान शिव कभी शांत तो कभी रौद्र रूप धारण करने के लिए भी विख्यात हैं शंकर भगवान। पूरे देश में इन्हें पूजने वालों की कोई कमी नहीं। काशी में तो लगभग हर घर में शिवलिंग पाया जाता है। देश और विदेश में भी शिव भगवान की मूर्तियां स्थापित हैं। चलिए आज आपको भारत में मौजूद भगवान शिव की विशाल मूर्तियों वाले शिव मंदिरों के दर्शन करवा देते हैं। यहां बारह मास शिव भक्तों की भीड़ लगी रहती है।

- **नाथद्वारा :** राजस्थान के इस शहर में दुनिया की सबसे बड़ी भगवान शिव की मूर्ति है। इस मूर्ति की ऊंचाई 351 फीट है। इसके सामने ही 25 फीट की भगवान शिव की सवारी नंदी की मूर्ति स्थापित है। इसे नाथद्वारा के गणेश टेकरी इलाके में बनाया गया है।
- **मुरुदेश्वर :** कर्नाटक की भटकल तालुका में स्थित मुरुदेश्वर मंदिर अरब सागर से घिरा हुआ है। यहां वर्ल्ड की दूसरी सबसे ऊंची शिव शंकर की प्रतिमा है। ये 123 फीट ऊंची है। भगवान शिव की इस विशाल प्रतिमा पर सूरज की रौशनी पड़ती है तो इसका तेज देखते ही बनता है। मंदिर में नंदी सहित बहुत सारे अन्य देवी-देवताओं की भी प्रतिमाएं हैं।
- **कोटिलिंगेश्वर मंदिर :** कर्नाटक के कोटिलिंगेश्वर मंदिर में एक करोड़ छोटे-छोटे शिवलिंग के साथ 108 फीट लंबा विशाल शिवलिंग स्थापित है। 15 एकड़ में बना ये मंदिर कर्नाटक के कोलार जिले में है। खास बात ये है कि आप चाहें तो यहां पर अपना खुद का एक शिवलिंग भी स्थापित कर सकते हैं।
- **आदियोगी शिव :** ये दुनिया की सबसे बड़ी शिव की अर्ध मूर्ति है जो तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले में है। ये 112.4 फीट लंबी है। इसे देखते ही आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। यहां हर शिव भक्त को एक बार जरूर हो आना चाहिए।
- **त्र्यंबकेश्वर मंदिर :** त्र्यंबकेश्वर मंदिर गोदावरी नदी के किनारे बना है। ये नासिक से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। लोगों का मानना है कि पेशवा बालाजी बाजी राव ने इस मंदिर को बनाने का आदेश दिया था। इस मंदिर की वास्तुकला देख आपका यहां से जाने का मन नहीं करेगा।
- **तुंगनाथ मंदिर :** देवभूमि कहलाने वाले उत्तराखंड में भगवान शिव का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित मंदिर है। इसका नाम है तुंगनाथ मंदिर, जो समुद्र तल से 12073 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। ये राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में है। देखने में ये लगभग केदारनाथ मंदिर जैसा दिखता है। यहां माता पार्वती और वेद व्यास जी के छोटे मंदिर भी हैं।
- **लिंगराज मंदिर :** ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के सबसे पुराने और बड़े मंदिरों में से एक है ये मंदिर। इसकी वास्तुकला गजब की है। यहां मौजूद शिव लिंग चौड़ाई और लंबाई में समान आकार के हैं। कहा जाता है कि मंदिर परिसर में मौजूद बिंदुसार तालाब भगवान शिव के आशीर्वाद से ही भरा रहता है।
- **बृहदेश्वर मंदिर :** तमिलनाडु का ये मंदिर NESCO की विश्व धरोहर स्थल वाली सूची में शामिल है। यहां भी एक विशालकाय शिवलिंग है। राजा चोलन ने एक सपना देखकर इस मंदिर को बनाने का आदेश दिया था। यहां नंदी की प्रतिमा को एक ही पत्थर को काटकर बनाया गया है।
- **वडकुनाथन मंदिर :** भोलेनाथ का ये मंदिर केरल के त्रिशूर जिले में स्थित है जिसे वडकुनाथन मंदिर के नाम से जाना जाता है। ये मंदिर 9 एकड़ में फैला है और इसमें भगवान शिव, भगवान राम और शंकरनारायण की मूर्तियां हैं. यहां शिवलिंग हमेशा घी से ढके रहते हैं इसलिए भक्तों को उनकी प्रतिमा दिखाई नहीं देती।

■ पं. कुलदीप शास्त्री

• वास्तु...

बांस का पौधा

बांस को ऊर्जा का अपेक्षाकृत स्वच्छ स्रोत माना जाता है। कुछ देशों में बांस के बायोमास का इस्तेमाल बिजली बनाने या लकड़ी के कोयले के विकल्प के तौर पर किया जाता है। बांस का पौधा बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर में लगाने से सुख-समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। फेंगशुई के मुताबिक, बांस का पौधा घर के पूर्व या दक्षिण दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। बांस का पौधा पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल, और लकड़ी जैसे पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। लिविंग रूम में बैंबू-ट्री रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। आप पूर्व या दक्षिण दिशा के कोने में बैंबू प्लांट रख सकते हैं। घर के लिविंग रूम में बैंबू प्लांट लगाने से मानसिक तनाव कम होता है और व्यक्ति के मन को शांति मिलती है। घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए आप घर के उत्तर-पूर्व कोने में बैंबू प्लांट रख सकती हैं। इससे घर की आर्थिक तंगी दूर होंगी और प्रगति के अवसर बढ़ेंगे।

• शनिदेव...

शनिवार के दिन अगर बजरंगबली की पूजा आराधना कर बजरंग बाण का पाठ करें और चोला चढ़ाएं तो भगवान बजरंगबली बेहद प्रसन्न होते हैं और सभी प्रकार के संकट समाप्त कर देते हैं। क्योंकि बजरंगबली को संकट मोचन भी कहा जाता है। हर शनिवार के दिन भगवान शनि के ऊपर सरसों का तेल अर्पण करें और संध्या के वक्त तिल के तेल का दिया अवश्य जलाना चाहिए। इससे शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव से भी मुक्ति मिलती है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौत्तम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित